NEWS CLIPPING: 25.09.2019

DAINIK JAGRAN

तकनीकी शिक्षा विभाग के सचिव ने किया दौरा

हरियाणा तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव अंकुर गुप्ता और कुलपति प्रो. दिनेश कुमार विश्वविद्यालय में सुविधाओं का जायजा लेते हुए। यूनिवर्सिटी के प्रवक्ता के सौजन्य से।

जासं, फरीदाबाद : हरियाणा तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव अंकुर गुप्ता ने मंगलवार को जेसी बोस (वाईएमसीए) विश्वविद्यालय का दौरा किया और कैंपस में चल रहे ढांचागत कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने विश्वविद्यालय को खुद के संसाधन जुटाने के लिए कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट की संभावनाओं का पता लगाने के लिए कहा। इससे पहले, कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने विवि में प्रधान सचिव अंकुर गुप्ता का स्वागत किया।

कुलसचिव डॉ.एसके गर्ग और डीन अकादमिक डॉ.विक्रम सिंह भी उपस्थित थे। हरियाणा तकनीकी शिक्षा विभाग के सचिव अंकुर गुप्ता ने कहा कि विवि राज्य के औद्योगिक केंद्र में एक रणनीतिक स्थान पर स्थित है और इसमें उद्योगों से जुड़े विभिन्न कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट लाने की अपार संभावनाएं और क्षमता है। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि विवि द्वारा अपने पाठ्यक्रमों को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुसार डिजाइन किया है, जिसे नियमित अंतराल पर संशोधित किया जाता है। डीन अकादमिक डॉ. विक्रम सिंह ने महत्वपूर्ण उपलब्धियों, अकादमिक कार्यक्रमों, प्रभावी प्लेसमेंट प्रणाली, प्रशासनिक और अनुसंधान पहल पर एक प्रस्तुति दी।

NEWS CLIPPING: 25.09.2019

PUNJAB KESARI

विश्वविद्यालय में चल रहे कार्यों की समीक्षा की

तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव ने किया विश्वविद्यालय का दौरा

फरीदाबाद, 24 सितम्बर(पूजा शर्मा): हरियाणा तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव अंकुर गुप्ता ने आज जे.सी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद का दौरा किया और कैंपस में चल रहे ढांचागत कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने विश्वविद्यालय को खुद के संसाधन जुटाने के लिए कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट की संभावनाओं का पता लगाने के लिए कहा।

इससे पहले, कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने विश्वविद्यालय में प्रधान सचिव अंकुर गुप्ता का स्वागत किया। कुलसचिव डॉ. एस. के. गर्ग और डीन अकादमिक डॉ. विक्रम सिंह भी उपस्थित थे। विश्वविद्यालय के डीन, विभागाध्यक्षों और अन्य वरिष्ठ

तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव अंकुर गुप्ता और कुलपति प्रो. दिनेश कुमार विश्वविद्यालय में सुविधाओं का जायजा लेते हुए।(छाया: एस शर्मा)

अधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए, गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय राज्य के औद्योगिक केंद्र में एक रणनीतिक स्थान पर स्थित है और इसमें उद्योगों से जुड़े विभिन्न कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट लाने की अपार संभावनाएं और क्षमता है, जो न केवल औद्योगिक-शिक्षा बीच के अंतर को खत्म करेगी, बल्कि विश्वविद्यालय के भावी विकास के लिए खुद के संसाधन सृजित करने में भी मदद करेगी।कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा अपने पाठ्यक्रमों को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुसार डिजाइन किया है, जिसे नियमित अंतराल पर संशोधित किया जाता है ताकि विद्यार्थियों को पढ़ाई के बाद रोजगार के लिए तैयार किया जा सके। डीन अकादमिक डॉ. विक्रम सिंह ने महत्वपूर्ण उपलब्धियों, अकादमिक कार्यक्रमों, प्रभावी प्लेसमेंट प्रणाली, प्रशासनिक और अनुसंधान पहल पर एक प्रस्तुति दी। बैठक में डॉ. विक्रम ने बताया कि विश्वविद्यालय 30 से अधिक स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चला रहा है जिसमें इंजीनियरिंग, प्रबंधन, विज्ञान और कला के पाठ्यक्रम शामिल हैं। प्लेसमेंट गतिविधियों के बारे में बताते हुए, उन्होंने कहा कि इस वर्ष, विश्वविद्यालय में 180 से अधिक कंपनियों प्लेसमेंट के लिए आ चुकी है।

दो दिवसीय कार्यशाला का किया आयोजन

जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद अब आर.वी. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, बेंगलुरु के साथ मिलकर स्थानीय उद्योगों से जुड़ी 'इंटरनेट ऑफ थिंग्स' आधारित तथा स्मार्ट सिटी परियोजनाओं परियोजनाओं पर काम करेगा। यह जानकारी कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने आर.वी. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, बेंगलुरु के प्रिंसिपल डॉ. के.एन. सुब्रमण्य के साथ विस्तृत चर्चा के बाद दी। डॉ. के.एन. सुब्रमण्य ने कहा कि विश्वविद्यालय के पास औद्योगिक टाउनशिप के बीच में रणनीतिक स्थिति का लाभ है और कंसल्टेंसी परियोजनाओं को लाने की एक बड़ी क्षमता है। कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय स्मार्ट परिसर पहल की दिशा में भी काम कर रहा है और दोनों संस्थान जल-गुणवत्ता, वायु-प्रदूषण और सतत परिवहन सुविधाओं में सुधार के क्षेत्र में भविष्य की स्मार्ट सिटी परियोजना के लिए समाधान प्रदान करने पर कार्य कर सकते हैं।

पंजाब केसरी ई-पेपर Wed, 25 September 2019
https://epaper.punjabkesari.in/c/43996176

NEWS CLIPPING: 25.09.2019

HINDUSTAN

स्मार्ट सिटी योजना पर काम करेंगे

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (वाईएमसीए) अब आरवी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग (बेंगलुरु) के साथ मिलकर उद्योगों से जुड़ी 'इंटरनेट ऑफ थिंग्स' आधारित तथा स्मार्ट सिटी परियोजनाओं पर काम करेगा। इसके लिए आरवी इंजीनियरिंग कॉलेज बेंगलुरु के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

यह जानकारी कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने बेंगलुरु इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रचार्य डॉ. केएन सुब्रमण्य ने दी। इस मौके पर विश्वविद्यालय के डीन और विभागाध्यक्ष मौजूद रहे। विश्वविद्यालय स्मार्ट परिसर पहल की दिशा में काम कर रहा है।

'रोजगार दिलाने वाले पाठ्यक्रम की जरूरत'

निरीक्षण

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (वाईएमसीए) में मंगलवार को तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव अंकुर गुप्ता ने निरीक्षण किए। इस दौरान परिसर में बने ढांचागत कार्य की समीक्षा की गई। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार, कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग और डीन अकादमिक डॉ. विक्रम सिंह भी उपस्थित थे।

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में उद्योगों से जुड़े विभिन्न कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट लाने की कई संभावनाएं हैं, जो उद्योग व शिक्षा बीच के अंतर को खत्म करेगा। वहीं, विकास के लिए खुद के संसाधन सृजित करने में भी मदद करेगी। उन्होंने कहा कि तकनीकी शिक्षा को आधुनिक बनाया जाना चाहिए। बदलते परिवेश के अनुरूप पाठ्यक्रम में बदलाव लाने की जरूरत है, जिससे की रोजगार के अवसर मिल सकें। डीन अकादमिक डॉ. विक्रम सिंह ने महत्वपूर्ण उपलब्धियों, अकादमिक कार्यक्रमों, प्लेसमेंट प्रणाली, प्रशासनिक और अनुसंधान के विषय में बताया।

NEWS CLIPPING: 25.09.2019

NAVBHARAT TIMES

इंटरनेट ऑफ थिंग्स पर काम करेगी यूनिवर्सिटी

■ **एनवीटी न्यूज, फरीदाबाद** : जेसी बोस (वाईएमसीए) यूनिवर्सिटी अब स्थानीय उद्योगों से जुड़ी इंटरनेट ऑफ थिंग्स पर आधारित परियोजनाओं पर काम करेगी। इसके साथ ही स्मार्ट सिटी परियाजना में भी सहयोग देगी। बैंगलुरू के आरवी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के साथ मिलकर यूनिवर्सिटी यह काम करेगी। यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रफेसर दिनेश कुमार ने आरवी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के प्रिंसिपल डॉ केएन सुब्रमण्य के साथ हुई मीटिंग के बाद यह जानकारी दी। मीटिंग में यूनिवर्सिटी के सभी डीन व विभागाध्यक्ष भी मौजूद रहे। इस मौके पर डॉ.गोविंदराजु, प्रफेसर गिरीश राव, डॉ. राजेश्वर राव, डॉ. शंकुमुख नागराज, डॉ. रेणुका प्रसाद, प्रफेसर रविशंकर मुख्य वक्ता थे। कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग, डॉ. कोमल कुमार, डॉ. पारूल, डॉ. सपना गंभीर, डॉ. विक्रम सिंह, डॉ. मुनीश वशिष्ठ आदि मौजूद थे।

NEWS CLIPPING: 25.09.2019

DAINIK BHASKAR

DB 25/9/2019

तकनीकी शिक्षा को आधुनिक बनाकर बदलते परिवेश के अनुरूप बदलाव लाया जाए: दिनेश

हरियाणा तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव ने विश्वविद्यालय का दौरा किया

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

हरियाणा तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव अंकुर गुप्ता ने मंगलवार को जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का दौरा कर कैंपस में चल रहे कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय को खुद के संसाधन जुटाने के लिए कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट की संभावनाओं का पता लगाने के लिए कहा।

इसके बाद विश्वविद्यालय के डीन, विभागाध्यक्षों व अन्य अधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय राज्य के औद्योगिक केंद्र में एक रणनीतिक स्थान पर स्थित है और इसमें उद्योगों से जुड़े विभिन्न कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट लाने की अपार संभावनाएं व क्षमता है, जो न केवल औद्योगिक-शिक्षा बीच के अंतर को खत्म करेगी, बल्कि विश्वविद्यालय के भावी विकास के लिए खुद के संसाधन सृजित करने में भी मदद करेगी। उन्होंने कहा तकनीकी शिक्षा को आधुनिक बनाया जाना चाहिए और बदलते परिवेश के अनुरूप पाठ्यक्रम में बदलाव लाया जाना चाहिए ताकि अधिकतम रोजगार के अवसर पैदा हो सके।

फरीदाबाद. हरियाणा तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव अंकुर गुप्ता और कुलपति प्रो. दिनेश कुमार विश्वविद्यालय में सुविधाओं का जायजा लेते हुए।